



All Inclusive IAS – CSAT through PYQs

← Explanation video in English

Class-14

हिंदी में स्पष्टीकरण वीडियो →



2016 Set-A

Directions for the following items: Read the following passages and answer the items that follow each passage. Your answers to these items should be based on the passages only.

निम्नलिखित प्रश्नों के लिए निर्देश: निम्नलिखित परिच्छेदों को पढ़िए और प्रत्येक परिच्छेद के आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नों के आपके उत्तर इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।

Passage

Accountability, or the lack of it, in governance generally, and civil services, in particular, is a major factor underlying the deficiencies in governance and public administration. Designing an effective framework for accountability has been a key element of the reform agenda. A fundamental issue is whether civil services should be accountable to the political executive of the day or to society at large. In other words, how should internal and external accountability be reconciled? Internal accountability is sought to be achieved by internal performance monitoring, official supervision by bodies like the Central Vigilance Commission and Comptroller and Auditor General, and judicial review of executive decisions. Articles 311 and 312 of the Indian Constitution provide job security and safeguards to the civil services, especially the All India Services. The framers of the Constitution had envisaged that provision of these safeguards would result in a civil service that is not totally subservient to the political executive but will have the strength to function in larger public interest. The need to balance internal and external accountability is thus built into the Constitution. The issue is where to draw the line. Over the years, the emphasis seems to have tilted in favour of greater internal accountability of the civil services to the political leaders of the day who in turn are expected to be externally accountable to the society at large through the election process. This system for seeking accountability to society has not worked out, and has led to several adverse consequences for governance.

Some special measures can be considered for improving accountability in civil services. Provisions of articles 311 and 312 should be reviewed and laws and regulations framed to ensure external accountability of civil services. The proposed Civil Services Bill seeks to address some of these requirements. The respective roles of professional civil services and the political executive should be defined so that professional managerial functions and management of civil services are depoliticized. For this purpose, effective statutory civil service boards should be created at the centre and in the states. Decentralization and devolution of authority to bring government and decision making closer to the people also helps to enhance accountability.

परिच्छेद

शासन और लोक प्रशासन में कमियों के मूल में स्थित एक प्रमुख कारक, आमतौर से शासन में, और मुख्य रूप से सिविल सेवाओं में, जवाबदेही का होना या न होना है। जवाबदेही का एक प्रभावी ढाँचा रूपांकित करना सुधार कार्यसूची का एक मुख्य तत्व रहा है। मुलभूत मुद्दा यह है कि क्या सिविल सेवाओं को तत्कालीन राजनीतिक कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, अथवा व्यापक रूप में समाज के प्रति। दूसरे शब्दों में, आंतरिक और बाह्य जवाबदेही के बीच सामंजस्य कैसे स्थापित किया जाए? आंतरिक जवाबदेही को आंतरिक निष्पादन के परिवीक्षण, केन्द्रीय सतर्कता आयोग एवं नियंत्रक-महालेखापरीक्षक जैसे निकायों के अधिकारिक निरीक्षण तथा अधिशासी निर्णयों के न्यायिक पुनर्विलोकन के द्वारा प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 और 312 सिविल सेवाओं, खास कर अखिल भारतीय सेवाओं, में नौकरी की सुरक्षा एवं रक्षोपाय का उपबंध करते हैं। संविधान निर्माताओं ने यह ध्यान में रखा था कि इन संरक्षण उपबंधों के परिणामस्वरूप ऐसी सिविल सेवा बनेगी जो राजनीतिक कार्यपालिका की पूर्णतः अनुसूची नहीं होगी वरन् उसमें वृहत्तर लोकहित में कार्य करने की शक्ति होगी। इस प्रकार संविधान में आंतरिक और बाह्य जवाबदेही के बीच संतुलन रखने की आवश्यकता सन्निहित है। प्रश्न यह है कि दोनों के बीच रेखा कहाँ खींची जाए। वर्षों बाद, सिविल सेवाओं की अधिकतर आंतरिक जवाबदेही का जोर तत्कालीन राजनीतिक नेताओं के पक्ष में अधिक झुका दिखाई देता है, जिनसे, बदले में, निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से व्यापक समाज के प्रति बाह्य रूप से जवाबदेह होने की अपेक्षा की जाती है। समाज के प्रति जवाबदेही लाने के प्रयास करने की इस प्रणाली से कोई समाधान प्राप्त नहीं हुआ है, और इससे शासन के लिए अनेक प्रतिकूल परिणाम सामने आए हैं।

सिविल सेवाओं में जवाबदेही के सुधार के लिए कुछ विशेष उपायों पर विचार किया जा सकता है। अनुच्छेद 311 और 312 के उपबंधों का पुनरीक्षण किया जाना चाहिए और सिविल सेवाओं की बाह्य जवाबदेही के लिए विधि एवं विनियम बनाए जाने चाहिए। प्रस्तावित सिविल सेवा विधेयक इनमें से कुछ आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करता है। वृत्तिक (प्रोफेशनल) सिविल सेवाओं और राजनीतिक कार्यपालिका की अपनी-अपनी भूमिकाएँ परिभाषित की जानी चाहिए ताकि वृत्तिक प्रबंधकीय कार्य और सिविल सेवाओं के प्रबंधन का अराजनीतिकरण हो सके। इस प्रयोजन के लिए, केंद्र और राज्यों में प्रभावी सांविधिक सिविल सेवा बोर्ड बनाए जाने चाहिए। शासन और निर्णयन को लोगों के अधिक समीप लाने हेतु सत्ता का विकेंद्रीकरण और अवक्रमण (डीवोल्यूशन) भी जवाबदेही के संवर्धन में सहायक होता है।

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

www.allinclusiveias.com

UPSC / PCS CSAT

Class-14

Page-104

© All Inclusive IAS

<p>1. According to the passage, which of the following factor / factors led to the <u>adverse consequences</u> for governance / public administration?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Inability of civil services to strike a balance between internal and external accountabilities 2. Lack of sufficient professional training to the officers of All India Services 3. Lack of proper service benefits in civil services 4. Lack of Constitutional provisions to define the respective roles of professional civil services vis-a-vis political executive in this context <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1 only (b) 2 and 3 only (c) 1 and 4 only (d) 2, 3 and 4</p>	<p>1. परिच्छेद के अनुसार, निम्नलिखित में कौन-से कारक/कारकों के कारण शासन/लोक प्रशासन के लिए प्रतिकूल परिणाम सामने आए हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. आंतरिक एवं बाह्य जवाबदेहियों के बीच संतुलन बनाने में सिविल सेवाओं की अक्षमता 2. अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए पर्याप्त वृत्तिक प्रशिक्षण का अभाव 3. सिविल सेवाओं में उपयुक्त सेवा हितलाभों की कमी 4. इस संदर्भ में राजनीतिक कार्यपालिका के और उसकी तुलना में, वृत्तिक सिविल सेवाओं के अपनी-अपनी भूमिकाओं को परिभाषित करने वाले सांविधानिक उपबंधों का अभाव <p>नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 और 4 (d) 2, 3 और 4</p>
<p>2. With reference to the passage, the following assumptions have been made:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Political executive is an obstacle to the accountability of the civil services to the society 2. In the present framework of Indian polity, the political executive is no longer accountable to the society <p>Which of these assumptions is/are valid? (a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2</p>	<p>2. परिच्छेद का सन्दर्भ लेते हुए, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. समाज के प्रति सिविल सेवाओं की जवाबदेही में राजनीतिक कार्यपालिका एक अवरोध है। 2. भारतीय राजनीति-व्यवस्था के वर्तमान ढाँचे में, राजनीतिक कार्यपालिका समाज के प्रति जवाबदेह नहीं रह गई है। <p>इन पूर्वधारणाओं में कौन-सी वैध है/हैं? (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2</p>
<p>3. Which one of the following is the essential message implied by this passage?</p> <ol style="list-style-type: none"> (a) Civil services are not accountable to the society they are serving (b) Educated and enlightened persons are not taking up political leadership (c) The framers of the Constitution did not envisage the problems being encountered by the civil services (d) There is a need and scope for reforms to improve the accountability of civil services 	<p>3. निम्नलिखित में कौन-सा एक, इस परिच्छेद में अन्तर्निहित अनिवार्य संदेश है?</p> <ol style="list-style-type: none"> a) सिविल सेवाएँ उस समाज के प्रति जवाबदेह नहीं हैं जिसकी सेवा वे कर रही हैं। b) शिक्षित तथा प्रबुद्ध व्यक्ति राजनीतिक नेतृत्व नहीं ले रहे हैं। c) संविधान निर्माताओं ने सिविल सेवाओं के समक्ष आने वाली समस्याओं का विचार नहीं किया। d) सिविल सेवाओं की जवाबदेही में संवर्धन हेतु सुधारों की आवश्यकता और गुंजाइश है।
<p>4. According to the passage, which one of the following is not a means of enhancing internal accountability of civil services?</p> <ol style="list-style-type: none"> (a) Better job security and safeguards (b) Supervision by Central Vigilance Commission (c) Judicial review of executive decisions (d) Seeking accountability through enhanced participation by people in decision making process 	<p>4. परिच्छेद के अनुसार, निम्नलिखित में कौन-सा एक, सिविल सेवाओं की आंतरिक जवाबदेही के संवर्धन का साधन नहीं है?</p> <ol style="list-style-type: none"> a) बेहतर कार्य-सुरक्षा और रक्षोपाय b) केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निरीक्षण c) अधिशाषी निर्णयों का न्यायिक पुनर्विलोकन d) निर्णयन प्रक्रिया में लोगों की बढ़ी हुई सहभागिता द्वारा जवाबदेही खोजना

Official answers: 1 C 2 A 3 D 4 D

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>In general, religious traditions stress our duty to god, or to some universal ethical principle. Our duties to one another derive from these. The religious concept of rights is primarily derived from our relationship to this divinity or principle and the implication it has on our other relationships. This correspondence between rights and duties is critical to any further understanding of justice. But, for justice to be practiced; virtue, rights and duties cannot remain formal abstractions. They must be grounded in a community (common unity) bound together by a sense of common union (communion). Even as a personal virtue, this solidarity is essential to the practice and understanding of justice.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>सामान्य रूप में, धार्मिक परम्पराएँ ईश्वर के या किसी सार्वभौम नैतिक सिद्धांत के प्रति हमारे कर्तव्य पर बल देती हैं। एक दूसरे के प्रति हमारे कर्तव्य इन्हीं से व्युत्पन्न होते हैं। अधिकारों की धार्मिक संकल्पना मुख्यतः इस देवत्व या सिद्धान्त के साथ हमारे संबंध से, और हमारे अन्य संबंधों पर पड़ने वाले इसके निहितार्थ से ही व्युत्पन्न हुई है। अधिकारों और कर्तव्यों के बीच यह संगतता न्याय के किसी उच्चतर बोध के लिए महत्वपूर्ण है। किन्तु, न्याय को आचरण में लाने के लिए, सद्गुण, अधिकार और कर्तव्य औपचारिक अमूर्त तत्व नहीं रह सकते। उन्हें सामान्य मिलन (कम्युनियन) के संवेदन से बँधे हुए समुदाय (सामान्य एकता) में उतारना परमावश्यक है। वैयक्तिक सद्गुण के रूप में भी यह एकात्मता, न्याय की साधना और बोध के लिए आवश्यक है।</p>
---	---

<p>5. With reference to the passage, the following assumptions have been made:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Human relationships are derived from their religious traditions 2. Human beings can be duty bound only if they believe in god 3. Religious traditions are essential to practice and understand justice <p>Which of these assumption(s) is/are valid? (a) 1 only (b) 2 and 3 only (c) 1 and 3 only (d) 1, 2 and 3</p>	<p>5. परिच्छेद का सन्दर्भ लेते हुए, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. मानव संबंध उनकी धार्मिक परंपराओं से व्युत्पन्न होते हैं 2. मनुष्य कर्तव्य से तभी बंधे हो सकते हैं जब वे ईश्वर में विश्वास करें 3. न्याय की साधना और बोध के लिए धार्मिक परंपराएँ आवश्यक हैं इनमें से कौन-सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध हैं/हैं? <p>(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3</p>
<p>6. Which one of the following is the crux of this passage?</p> <ol style="list-style-type: none"> (a) Our duties to one another derive from our religious traditions (b) Having relationship to the divine principle is a great virtue (c) Balance between rights and duties is crucial to the delivery of justice in a society (d) Religious concept of rights is primarily derived from our relationship to god 	<p>6. निम्नलिखित में कौन-सा एक, इस परिच्छेद का मर्म है?</p> <ol style="list-style-type: none"> (a) एक-दूसरे के प्रति हमारे कर्तव्य हमारी धार्मिक परंपराओं से व्युत्पन्न होते हैं। (b) दिव्य सिद्धांत से संबंध रखना महान सद्गुण है। (c) अधिकारों और कर्तव्यों के बीच सन्तुलन समाज में न्याय दिलाने के लिए निर्णायक है। (d) अधिकारों की धार्मिक संकल्पना मुख्यतः ईश्वर के साथ हमारे संबंध से व्युत्पन्न हुई है।

Official answers: 5 A 6 C

<p style="text-align: center;"><i>Passage</i></p> <p>Biomass as fuel for power, heat, and transport has the highest mitigation potential of all renewable sources. It comes from agriculture and forest residues as well as from energy crops. The biggest challenge in using biomass residues is a longterm reliable supply delivered to the power plant at reasonable costs; the key problems are logistical constraints and the costs of fuel collection. Energy crops, if not managed properly, compete with food production and may have undesirable impacts on food prices. Biomass production is also sensitive to the physical impacts of a changing climate.</p> <p>Projections of the future role of biomass are probably overestimated, given the limits to the sustainable biomass supply, unless breakthrough technologies substantially increase productivity. Climate-energy models project that biomass use could increase nearly four-fold to around 150–200 exajoules, almost a quarter of world primary energy in 2050. However the maximum sustainable technical potential of biomass resources (both residues and energy crops) without disruption of food and forest resources ranges from 80–170 exajoules a year by 2050, and only part of this is realistically and economically feasible. In addition, some climate models rely on biomass-based carbon capture and storage, an unproven technology, to achieve negative emissions and to buy some time during the first half of the century.</p> <p>Some liquid biofuels such as corn-based ethanol, mainly for transport, may aggravate rather than ameliorate carbon emissions on a life-cycle basis. Second generation biofuels, based on lignocellulosic feedstocks—such as straw, bagasse, grass and wood— hold the promise of sustainable production that is high-yielding and emit low levels of greenhouse gases, but these are still in the R & D stage.</p>	<p style="text-align: center;"><i>परिच्छेद</i></p> <p>शक्ति, ऊष्मा और परिवहन के ईंधन के रूप में जैवमात्रा (बायोमास) की न्यूनीकरण समर्थता सभी नवीकरणीय स्रोतों से अधिक है। यह कृषि और वन अवशेषों, साथ ही ऊर्जा-फसलों से प्राप्त होती है। जैवमात्रा अवशेषों का उपयोग करने में सबसे बड़ी चुनौती शक्ति-संयंत्रों में उचित लागत पर की जानेवाली उनकी विश्वसनीय दीर्घावधि पूर्ति ही है, मुख्य समस्याएँ सुप्रचालनिक (लॉजिस्टिकल) अवरोध और ईंधन-संग्रहण की लागत हैं। यदि ऊर्जा-फसलों का उचित रीति से प्रबंधन न हो तो, वे अन्न उत्पादन के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं और अन्न की कीमतों पर उनका अवांछित असर पड़ सकता है। जैवमात्रा का उत्पादन परिवर्तनशील जलवायु के भौतिक प्रभावों के प्रति भी संवेदनशील होता है।</p> <p>जब तक नव-प्रौद्योगिकियाँ उत्पादकता को सारभूत रूप में न बढ़ाएँ, तब तक धारणीय जैवमात्रा पूर्ति की सीमाओं को देखते हुए, जैवमात्रा की भावी भूमिका का संभवतः वास्तविकता से अधिक अनुमान लगाया गया है। जलवायु-ऊर्जा प्रतिरूप यह प्रकल्पित करते हैं कि 2050 में बायोमास का उपयोग लगभग चारगुना बढ़ कर 150–200 एक्साजूल हो सकता है जो कि विश्व की प्राथमिक ऊर्जा या लगभग एक-चौथाई है। परन्तु खाद्य एवं वन्य संसाधनों का कोई विनाश किए बिना, 2050 तक प्रतिवर्ष बायोमास संसाधनों की अधिकतम धारणीय तकनीकी क्षमता (अवशिष्ट और ऊर्जा फसल दोनों) 80–170 एक्साजूल के परिसर में होगी और इसका सिर्फ एक अंश वास्तविक और आर्थिक रूप से साध्य होगा। इसके अतिरिक्त, कुछ जलवायु प्रतिरूप ऋणात्मक उत्सर्जन प्राप्त करने और शताब्दी के पूर्वार्ध में कुछ मुहलत जुटाने के लिए बायोमास आधारित कार्बन प्रग्रहण एवं संचयन पर, जो कि एक अप्रमाणित प्रौद्योगिकी है, आश्रित है।</p> <p>कुछ द्रव्य जैव ईंधन जैसे मकई आधारित इथेनोल, प्रमुख रूप से परिवहन हेतु, जीवन चक्र आधार पर कार्बन उत्सर्जनों में सुधार लाने की जगह उन्हें और बदतर कर सकते हैं। लिग्नो-सेल्युलॉसिक चारा आधारित दूसरी पीढ़ी के कुछ जैव ईंधन जैसे कि पुआल, खोई, घास और काष्ठ ऐसे धारणीय उत्पादन की सम्भाव्यता रखते हैं जो उच्च उत्पादकता वाले हों तथा ग्रीनहाउस गैस के निम्न स्तर का उत्सर्जन करें, किन्तु अभी तक अनुसंधान और विश्लेषण के चरण में है।</p>
--	---

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

www.allinclusiveias.com

UPSC / PCS

CSAT

Class-14

Page-106

© All Inclusive IAS

<p>21. What is/are the present constraint/constraints in using biomass as fuel for power generation?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Lack of sustainable supply of biomass 2. Biomass production competes with food production 3. Bio-energy may not always be low carbon on a lifecycle basis <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1 and 2 only (b) 3 only (c) 2 and 3 only (d) 1, 2 and 3</p>	<p>21. शक्ति-जनन के लिए जैवमात्रा को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने में मौजूदा बाधा/बाधाएँ क्या हैं/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. जैवमात्रा की धारणीय पूर्ति का अभाव 2. जैवमात्रा उत्पादन अन्न-उत्पादन के साथ प्रतिस्पर्धी हो जाता है। 3. जैव-ऊर्जा, जीवन-चक्र आधार पर, सदैव निम्न-कार्बन नहीं हो सकती। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए <p>(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3 (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3</p>
<p>22. Which of the following can lead to food security problem?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Using agricultural and forest residues as feedstock for power generation 2. Using biomass for carbon capture and storage 3. Promoting the cultivation of energy crops <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1 and 2 only (b) 3 only (c) 2 and 3 only (d) 1, 2 and 3</p>	<p>22. निम्नलिखित में से किसके/किनके कारण खाद्य-सुरक्षा की समस्या हो सकती है?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. शक्ति-जनन हेतु कृषि एवं वन अवशेषों का भरण-सामग्री (फीडस्टॉक) के रूप में उपयोग करना। 2. जैवमात्रा का कार्बन प्रग्रहण एवं संचयन के लिए उपयोग करना। 3. ऊर्जा-फसलों की कृषि को बढ़ावा देना। <p>नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3 (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3</p>
<p>23. In the context of using biomass, which of the following is/are the characteristic/characteristics of the sustainable production of biofuel?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Biomass as a fuel for power generation could meet all the primary energy requirements of the world by 2050 2. Biomass as a fuel for power generation does not necessarily disrupt food and forest resources 3. Biomass as a fuel for power generation could help in achieving negative emissions, given certain nascent technologies <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1 and 2 only (b) 3 only (c) 2 and 3 only (d) 1, 2 and 3</p>	<p>23. जैवमात्रा के उपयोग के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में कौनसी / कौन-कौनसी, जैव-ईंधन के धारणीय उत्पादन की विशेषता/विशेषताएँ हैं/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. 2050 तक, शक्ति-जनन के ईंधन के रूप में जैवमात्रा से विश्व की सभी प्राथमिक ऊर्जा-आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। 2. शक्ति-जनन के ईंधन के रूप में जैवमात्रा से, खाद्य एवं वन संसाधनों का आवश्यक रूप से विनाश नहीं होता है। 3. कुछ उदीयमान प्रौद्योगिकियों की मान लें तो शक्ति-जनन के ईंधन के रूप में जैवमात्रा, ऋणात्मक उत्सर्जन प्राप्त करने में सहायक हो सकती है। <p>नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3 (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3</p>
<p>24. With reference to the passage, following assumptions have been made:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Some climate-energy models suggest that the use of biomass as a fuel for power generation helps in mitigating greenhouse gas emissions 2. It is not possible to use biomass as a fuel for power generation without disrupting food and forest resources <p>Which of these assumptions is/are valid? (a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2</p>	<p>24. इस परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. कुछ जलवायु-ऊर्जा प्रतिरूप यह सुझाते हैं कि शक्ति-जनन के ईंधन के रूप में बायोमास का उपयोग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों को कम करने में सहायक होता है। 2. शक्ति-जनन के ईंधन के रूप में बायोमास का उपयोग करना, खाद्य एवं वन संसाधनों को बाधित किए बिना संभव नहीं है। <p>इन पूर्वधारणाओं में कौन-सी वैध है/हैं? (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2</p>
<p>Official answers: 21 D 22 B 23 C 24 A</p>	
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>We are witnessing a dangerous dwindling of biodiversity in our food supply. The green revolution is a mixed blessing. Over time farmers have come to rely heavily on broadly adapted, high yield crops to the exclusion of varieties adapted to the local conditions. Monocropping vast fields with the same genetically uniform seeds helps boost yield and meet immediate hunger needs. Yet high-yield varieties are also genetically weaker crops that require expensive chemical fertilizers and toxic pesticides. In our focus on increasing the amount of food we produce today, we have accidentally put ourselves at risk for food shortages in future.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>हम अपनी खाद्य-पूर्ति में जैव-विविधता की खतरनाक कमी देख रहे हैं। हरित क्रांति एक मिला-जुला वरदान है। समय के साथ-साथ, किसानों की निर्भरता व्यापक रूप से अपनाई गई उच्च उपज वाली फसलों पर बहुत अधिक बढ़ती गई है और वे स्थानीय दशाओं से अनुकूलता रखने वाली किस्मों को छोड़ते गए हैं। विशाल खेतों में आनुवंशिकतः एकसमान (जेनेटिकली यूनिफॉर्म) बीजों की एक-फसली खेती से बढ़ी हुई उपज प्राप्त करने और भूख की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। तथापि उच्च उपज वाली किस्मों आनुवंशिकतः दुर्बल फसलें भी होती हैं जिनके लिए महँगे रासायनिक उर्वरकों और विषाक्त कीटनाशकों की जरूरत होती है। उगाए जा रहे खाद्य-पदार्थों की मात्रा बढ़ाने पर ही आज अपना ध्यान केंद्रित कर, हम अनजाने में स्वयं को भावी खाद्य-अभाव होने के जोखिम में डाल चुके हैं।</p>
<p>Separate explanation videos are available in English & Hindi अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं</p> <p>www.allinclusiveias.com UPSC / PCS CSAT Class-14 Page-107 © All Inclusive IAS</p>	

<p>25. Which among the following is the most logical and critical inference that can be made from the above passage?</p> <p>(a) In our agricultural practices, we have become heavily dependent on expensive chemical fertilizers and toxic pesticides only due to green revolution</p> <p>(b) Monocropping vast fields with high-yield varieties is possible due to green revolution</p> <p>(c) Monocropping with high-yield varieties is the only way to ensure food security to millions</p> <p>(d) Green revolution can pose a threat to biodiversity in food supply and food security in the long run</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 25 D</i></p>	<p>25. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सा, सबसे तर्कसंगत और निर्णायक निष्कर्ष (इनफेरेंस) निकाला जा सकता है?</p> <p>a) अपनी कृषि पद्धतियों में हम केवल हरित क्रांति के कारण मंहो रासायनिक उर्वरकों और विषाक्त कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भर हो गये हैं।</p> <p>b) विशाल खेतों में उच्च उपज वाली किस्मों की एक-फसली खेती हरित क्रांति के कारण संभव है।</p> <p>c) उच्च उपज वाली किस्मों की एक-फसली खेती करोड़ों लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है।</p> <p>d) हरित क्रांति, दीर्घ काल में खाद्य-पूर्ति और खाद्य सुरक्षा में जैव-विविधता के लिए खतरा प्रस्तुत कर सकती है।</p>
---	--

<p style="text-align: center;"><i>Passage</i></p> <p>By killing transparency and competition, crony capitalism is harmful to free enterprise, opportunity and economic growth. Crony capitalism, where rich and the influential are alleged to have received land and natural resources and various licences in return for payoffs to venal politicians, is now a major issue to be tackled. One of the greatest dangers to growth of developing economies like India is the middle-income trap where crony capitalism creates oligarchies that slow down the growth.</p> <p>41. Which among the following is the most logical corollary to the above passage?</p> <p>(a) Launching more welfare schemes and allocating more finances for the current schemes are urgently needed</p> <p>(b) Efforts should be made to push up economic growth by other means and provide licences to the poor</p> <p>(c) Greater transparency in the functioning of the government and promoting the financial inclusion are needed at present</p> <p>(d) We should concentrate more on developing manufacturing sector than service sector</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 41 C</i></p>	<p style="text-align: center;"><i>परिच्छेद</i></p> <p>पारदर्शिता और प्रतियोगिता को समाप्त करने से, क्रोनी-पूँजीवाद (क्रोनी- कैपिटलिज्म) मुक्त उद्यम, अवसर और आर्थिक प्रगति के लिए हानिकारक है। क्रोनी-पूँजीवाद, जिसमें धनाढ्य और प्रभावशाली व्यक्तियों पर यह आरोप लगता है कि उन्होंने भ्रष्टाचारी राजनीतिज्ञों को घूस देकर जमीन और प्राकृतिक संसाधन तथा विभिन्न लाइसेन्स प्राप्त किए हैं, अब एक प्रमुख मुद्दा बन गया है जिससे निपटने की जरूरत है। भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की संवृद्धि के लिए एक बहुत बड़ा खतरा मध्य-आय-जाल (मिडिल इन्कम ट्रैप) है जहाँ क्रोनी-पूँजीवाद अल्पतंत्रों (ऑलिगार्कीज) को निर्मित करता है जो संवृद्धि को धीमा कर देते हैं।</p> <p>41. उपर्युक्त परिच्छेद का सर्वाधिक तार्किक उपनिगमन (कोरोलरी) निम्नलिखित में से कौन-सा है?</p> <p>a) अपेक्षाकृत अधिक कल्याणकारी स्कीमों को आरंभ करने और चालू स्कीमों के लिए अपेक्षाकृत अधिक वित्त आवंटित करने की तत्कात आवश्यकता है।</p> <p>b) आर्थिक विकास को अन्य माध्यमों से प्रोत्साहित करने एवं निर्धनों को लाइसेंस जारी करने का प्रयास किया जाना चाहिए।</p> <p>c) वर्तमान में सरकार की कार्य-प्रणाली को और पारदर्शी तथा वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।</p> <p>d) हमें सेवा क्षेत्र की जगह निर्माण क्षेत्र का विकास करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए।</p>
---	---

<p style="text-align: center;"><i>Passage</i></p> <p>Climate adaptation may be rendered ineffective if policies are not designed in the context of other development concerns. For instance, a comprehensive strategy that seeks to improve food security in the context of climate change may include a set of coordinated measures related to agricultural extension, crop diversification, integrated water and pest management and agricultural information services. Some of these measures may have to do with climate changes and others with economic development.</p> <p>42. What is the most logical and rational inference that can be made from the above passage?</p> <p>(a) It is difficult to pursue climate adaptation in the developing countries</p> <p>(b) Improving food security is a far more complex issue than climate adaptation</p> <p>(c) Every developmental activity is directly or indirectly linked to climate adaptation</p> <p>(d) Climate adaptation should be examined in tandem with other economic development options</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 42 D</i></p>	<p style="text-align: center;"><i>परिच्छेद</i></p> <p>जलवायु अनुकूलन अप्रभावी हो सकता है यदि दूसरे विकास संबंधी सरोकारों के सन्दर्भ में नीतियों को अभिकल्पित नहीं किया जाता। उदाहरण के तौर पर, एक व्यापक रणनीति, जो जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में खाद्य सुरक्षा की अभिवृद्धि करने का प्रयास करती है, कृषि प्रसार, फसल विविधता, एकीकृत जल एवं पीड़क प्रबंधन और कृषि सूचना सेवाओं से सम्बन्धित समन्वित उपायों के एक समुच्चय को, सम्मिलित कर सकती है। इनमें से कुछ उपाय जलवायु परिवर्तन से और अन्य उपाय आर्थिक विकास से सम्बन्धित हो सकते हैं।</p> <p>42. उपर्युक्त परिच्छेद से कौन-सा सर्वाधिक तर्कसंगत और निर्णायक निष्कर्ष (इनफेरेंस) निकाला जा सकता है?</p> <p>a) विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन जारी रखना कठिन है।</p> <p>b) खाद्य सुरक्षा की अभिवृद्धि करना, जलवायु अनुकूलन की अपेक्षा कहीं अधिक जटिल विषय है।</p> <p>c) प्रत्येक विकासात्मक क्रियाकलाप प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः जलवायु अनुकूलन से जुड़ा है।</p> <p>d) जलवायु अनुकूलन की दूसरे आर्थिक विकास विकल्पों के संबंध में परीक्षा की जानी चाहिए।</p>
--	--

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Understanding of the role of biodiversity in the hydrological cycle enables better policy-making. The term biodiversity refers to the variety of plants, animals, microorganisms, and the ecosystems in which they occur. Water and biodiversity are interdependent. In reality, the hydrological cycle decides how biodiversity functions. In turn, vegetation and soil drive the movement of water. Every glass of water we drink has at least in part passed through fish, trees, bacteria, soil and other organisms. Passing through these ecosystems, it is cleansed and made fit for consumption. The supply of water is a critical service that the environment provides.</p> <p>43. Which among the following is the most critical inference that can be made from the above passage?</p> <p>(a) Biodiversity sustains the ability of nature to recycle water (b) We cannot get potable water without the existence of living organisms (c) Plants, animals and microorganisms continuously interact among themselves (d) Living organisms could not have come into existence without hydrological cycle</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 43 A</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>जलीय चक्र में जैव-विविधता की भूमिका की समझ बेहतर नीति-निर्माण में सहायक होती है। जैव-विविधता शब्द अनेक किस्मों के पादपों, प्राणियों, सूक्ष्मजीवों को और उन पारितंत्रों को, जिसमें वे पाए जाते हैं, निर्दिष्ट करता है। जल और जैव-विविधता एक दूसरे पर निर्भर हैं। वास्तव में, जलीय चक्र से यह निश्चित होता है कि जैव-विविधता कैसे कार्य करती है। क्रम से, वनस्पति और मृदा जल के प्रवाह को निर्धारित करते हैं। हर एक गिलास जल जो हम पीते हैं, कम-से-कम उसका कोई अंश, मछलियों, वृक्षों, जीवाणुओं, मिट्टी और अन्य जीवों (ऑर्गेनिज्म्स) से होकर गुजरा होता है। इन पारितंत्रों से गुजरते हुए वह शुद्ध होता है और उपभोग के लिए उपयुक्त होता है। जल की पूर्ति एक महत्वपूर्ण सेवा है जो पर्यावरण प्रदान करता है।</p> <p>43. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक निर्णायक निष्कर्ष (इनफेरेंस) निकाला जा सकता है?</p> <p>(a) जैव-विविधता, प्रकृति की जल के पुनर्चक्रण की सामर्थ्य बनाए रखती है। (b) जीवित जीवों (ऑर्गेनिज्म्स) के अस्तित्व के बिना हम पेय जल प्राप्त नहीं कर सकते। (c) पादप, प्राणी और सूक्ष्मजीव आपस में सतत अन्योन्य क्रिया करते रहते हैं। (d) जलीय चक्र के बिना, जीवित जीव (ऑर्गेनिज्म्स) अस्तित्व में नहीं आए होते।</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>In the last decade, the banking sector has been restructured with a high degree of automation and products that mainly serve middle-class and upper middle-class society. Today there is a need for a new agenda for the banking and non-banking financial services that does not exclude the common man.</p> <p>44. Which one of the following is the message that is essentially implied in the above passage?</p> <p>(a) Need for more automation and more products of banks (b) Need for a radical restructuring of our entire public finance system (c) Need to integrate banking and non-banking institutions (d) Need to promote financial inclusion</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 44 D</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>पिछले दशक में, बैंकिंग क्षेत्र को, मुख्यतः मध्यवर्ग और उच्च मध्यवर्ग समाज को सेवा प्रदान करने वाले उच्च कोटि के स्वचालन और उत्पादों से पुनः संरचित किया गया है। आज बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं के लिए ऐसे नए कार्यक्रम की आवश्यकता है जो आम आदमी की पहुँच से बाहर न हो।</p> <p>44. उपर्युक्त परिच्छेद में निम्नलिखित में से कौन-सा सन्देश अनिवार्यतः अंतर्निहित है?</p> <p>(a) बैंकों के और अधिक स्वचालन और उत्पादों की आवश्यकता (b) हमारी सम्पूर्ण लोक वित्त व्यवस्था की आमूल पुनर्संरचना की आवश्यकता (c) बैंकिंग और गैर-बैंकिंग संस्थाओं का एकीकरण करने की आवश्यकता (d) वित्तीय समावेशन को संवर्धित करने की आवश्यकता</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Safe and sustainable sanitation in slums has immeasurable benefits to women and girls in terms of their health, safety, privacy and dignity. However, women do not feature in most of the schemes and policies on urban sanitation. The fact that even now the manual scavenging exists, only goes to show that not enough has been done to promote pour-flush toilets and discontinue the use of dry latrines. A more sustained and rigorous campaign needs to be launched towards the right to sanitation on a very large scale. This should primarily focus on the abolition of manual scavenging.</p> <p>45. With reference to the above passage, consider the following statements:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Urban sanitation problems can be fully solved by the abolition of manual scavenging only. 2. There is a need to promote greater awareness on safe sanitation practices in urban areas. <p>Which of the statements given above is/are correct? (a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 45 B</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>मलिन बस्तियों में सुरक्षित तथा संधारणीय सफाई से महिलाओं और लड़कियों को उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा, निजता तथा सम्मान के रूप में असीमित लाभ मिलता है। तथापि शहरी सफाई पर बनने वाली अधिकतर योजनाओं और नीतियों में महिलाएँ प्रतिलक्षित नहीं होती। यह तथ्य कि मैला ढोने की प्रथा आज भी अस्तित्व में है यह दिखाता है कि प्रवाही-फलश शौचालयों को बढ़ावा देने तथा शुष्क शौचालयों को बंद करने को लेकर अभी तक बहुत कुछ नहीं किया गया है। स्वच्छता के अधिकार की दिशा में बहुत बड़े पैमाने पर अधिक स्थायी और मजबूत अभियान शुरू किया जाना चाहिए। यह मुख्य रूप से मैला ढोने के उन्मूलन पर ध्यान केन्द्रित करने वाला होना चाहिए।</p> <p>45. उपर्युक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. शहरी सफाई समस्या का पूर्ण निराकरण केवल मैला ढोने के उन्मूलन से ही किया जा सकता है। 2. शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित सफाई व्यवहार की जागरूकता को अधिक प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2</p>				
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>					
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>Class-14</p>	<p>Page-109</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>To understand the nature and quantity of Government proper for man, it is necessary to attend to his character. As nature created him for social life, she fitted him for the station she intended. In all cases she made his natural wants greater than his individual powers. No one man is capable, without the aid of society, of supplying his own wants; and those wants, acting upon every individual, impel the whole of them into society.</p> <p>46. Which among the following is the most logical and rational inference that can be made from the above passage?</p> <p>(a) Nature has created a great diversity in human society (b) Any given human society is always short of its wants (c) Social life is a specific characteristic of man (d) Diverse natural wants forced man towards social system</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 46 D</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>मानव के लिए उपयुक्त, सरकार की प्रकृति और परिमाण को समझने के लिए यह आवश्यक है कि मानव के स्वभाव को समझा जाए। चूंकि प्रकृति ने उसे सामाजिक जीवन के लिए बनाया है, उसे उस स्थान के लिए भी युक्त किया है जिससे उसने नियत किया है। सभी परिस्थितियों में उसने उसकी नैसर्गिक आवश्यकताओं को उसकी व्यक्तिगत शक्तियों से बड़ा बनाया है। कोई भी एक व्यक्ति समाज की सहायता के बिना अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने में सक्षम नहीं है; और वही आवश्यकताएं प्रत्येक व्यक्ति पर क्रियाशील होकर समग्र रूप से उनको एक समाज के रूप में रहने के लिए प्रेरित करती हैं।</p> <p>46. निम्नलिखित में से कौन-सा, उपर्युक्त परिच्छेद का सर्वाधिक तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष (इनफेरेंस) निकाला जा सकता है?</p> <p>a) प्रकृति ने मानव समाज में भारी विविधता का निर्माण किया है। b) किसी भी मानव समाज को सदा उसकी आवश्यकताओं से कम मिलता है। c) सामाजिक जीवन मानव का विशिष्ट लक्षण है। d) विविध प्राकृतिक आवश्यकताओं ने मानव को सामाजिक प्रणाली की ओर बाध्य किया है।</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>The nature of the legal imperatives in any given state corresponds to the effective demands that state encounters, and that these, in their turn, depend, in a general way, upon the manner in which economic power is distributed in the society which the state controls.</p> <p>47. The statement refers to:</p> <p>(a) the antithesis of Politics and Economics (b) the interrelationship of Politics and Economics (c) the predominance of Economics over Politics (d) the predominance of Politics over Economics</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 47 B</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>किसी राज्य में कानूनी आदेशकों (इम्पेरैटिव्स) की प्रकृति उन प्रभावकारी माँगों के अनुरूप होती है जिनका राज्य को सामना करना पड़ता है, और यह, कि अपने क्रम में ये सामान्य रूप से उस रीति पर आश्रित होती हैं जिसमें समाज में यह आर्थिक शक्ति वितरित होती है जिस पर राज्य नियंत्रण करता है।</p> <p>47. यह कथन किसको निर्दिष्ट करता है?</p> <p>a) राजनीति और अर्थतंत्र के प्रतिवाद (ऐन्टिथीसिस) को b) राजनीति और अर्थतंत्र के पारस्परिक सम्बन्ध को c) राजनीति पर अर्थतंत्र की प्रधानता को d) अर्थतंत्र पर राजनीति की प्रधानता को</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>About 15 percent of global greenhouse gas emissions come from agricultural practices. This includes nitrous oxide from fertilizers; methane from livestock, rice production, and manure storage; and carbon dioxide (CO₂) from burning biomass, but this excludes CO₂ emissions from soil management practices, savannah burning and deforestation. Forestry land use, and land-use change account for another 17 percent of greenhouse gas emissions each year, three quarters of which come from tropical deforestation. The remainder is largely from draining and burning tropical peatland. About the same amount of carbon is stored in the world's peatlands as is stored in the Amazon rainforest.</p> <p>48. Which among the following is the most logical and rational inference that can be made from the above passage?</p> <p>(a) Organic farming should immediately replace mechanised and chemical dependent agricultural practices all over the world. (b) It is imperative for us to modify our land use practices in order to mitigate climate change. (c) There are no technological solutions to the problem of greenhouse gas emissions. (d) Tropical areas are the chief sites of carbon sequestration.</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 48 B</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>भूमंडलीय ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 15 प्रतिशत कृषि प्रक्रियाओं से आता है। इसमें उर्वरकों से निकले नाइट्रस ऑक्साइड; पशुधन, चावल उत्पादन तथा खाद भण्डारण से निकली मीथेन तथा जैवमात्रा (बायोमास) को जलाने से निकली कार्बन डाईऑक्साइड (CO₂) सम्मिलित हैं, किन्तु मृदा-प्रबंधन प्रक्रियाओं से, घास के मैदानों (सवाना) को जलाने से तथा वनोन्मूलन, से उत्सर्जित CO₂ इसमें सम्मिलित नहीं है। वानिकी, भू-उपयोग तथा भू-उपयोग में परिवर्तन, प्रति वर्ष और अधिक 17 प्रतिशत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं जिसका तीन-चौथाई भाग उष्णकटिबंधीय वनोन्मूलन से आता है। बचा हुआ उत्सर्जन अधिकांशतः उष्णकटिबंधीय पीट-भूमि (पीटलैंड) के अपवहन तथा जलाने से निकलता है। अमेजन (Amazon) के वर्षा-वन में जमा कार्बन की मात्रा के लगभग बराबर मात्रा विश्व की पीट-भूमियों में जमा है।</p> <p>48. निम्नलिखित में कौन-सा, उपर्युक्त परिच्छेद से सर्वाधिक तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष (इनफेरेंस) निकाला जा सकता है?</p> <p>a) संपूर्णविश्व में यंत्र और रसायनों पर आधारित कृषि प्रथाओं के स्थान पर तत्काल जैव कृषि (ऑर्गनिक फार्मिंग) अपनायी जानी चाहिए। b) जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए हमारी भू-उपयोग प्रक्रियाओं में बदलाव लाना अनिवार्य है। c) ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की समस्या के कोई प्रौद्योगिकीय समाधान नहीं हैं। d) उष्णकटिबंधीय क्षेत्र, कार्बन प्रच्छादन के मुख्य स्थान हैं।</p>				
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>					
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>Class-14</p>	<p>Page-110</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>As we look to 2050, when we will need to feed two billion more people, the question of which diet is best has taken on new urgency. The foods we choose to eat in the coming decades will have dramatic ramifications for the planet. Simply put, a diet that revolves around meat and dairy a way of eating that is on the rise throughout the developing world, will take a greater toll on the world's resources than one that revolves around unrefined grains, nuts, fruits and vegetables.</p> <p>64. What is the critical message conveyed by the passage?</p> <p>(a) Our increasing demand for foods sourced from animals puts a greater burden on our natural resources</p> <p>(b) Diets based on grains, nuts, fruits and vegetables are best suited for health in developing countries</p> <p>(c) Human beings change their food habits from time to time irrespective of the health concerns</p> <p>(d) From a global perspective, we still do not know which type of diet is best for us</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 64 A</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>यदि हम 2050 की ओर देखें जब हमें दो अरब अधिक लोगों को आहार खिलाने की आवश्यकता होगी, तो यह प्रश्न कि कौन-सा आहार सर्वोत्तम है, एक नई अत्यावश्यकता बन गया है। आने वाले दशकों में हम जिन खाद्य पदार्थों को खाने के लिए चुनेंगे, उनके इस ग्रह के लिए गम्भीर रूप से बहुशाखन होंगे। सामान्य रूप से कहे तो समूचे विकासशील देशों में खानपान की जो मांस और डेरी उत्पाद के आहार के गिर्द ही घूमते रहने वाली प्रवृत्ति बढ़ रही है, वह भूमंडलीय संसाधनों पर, अपरिष्कृत अनाज, गिरी, फलों और सब्जियों पर निर्भर करने वाली प्रवृत्ति की तुलना में अधिक दबाव डालेगी।</p> <p>64. उपर्युक्त परिच्छेद से क्या निर्णायक सन्देश निकलता है?</p> <p>a) पशु आधारित खाद्य स्रोत की बढ़ती माँग हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर अपेक्षाकृत अधिक बोझ डालती है</p> <p>b) अनाजों, गिरी, फलों और सब्जियों पर आधारित आहार विकासशील देशों में स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक सुयोग्य हैं</p> <p>c) मनुष्य स्वास्थ्य मामलों को बिना ध्यान में रखे, समय समय पर अपनी खाने की आदतों को बदलते हैं</p> <p>d) भूमंडलीय परिप्रेक्ष्य में, हम अभी तक यह नहीं जानते कि कौन-सा आहार हमारे लिए सर्वोत्तम है</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>All humans digest mother's milk as infants, but until cattle began being domesticated 10,000 years ago, children once weaned no longer needed to digest milk. As a result, they stopped making the enzyme lactase, which breaks down the sugar lactose into simple sugars. After humans began herding cattle, it became tremendously advantageous to digest milk, and lactose tolerance evolved independently among cattle herders in Europe, the middle East and Africa. Groups not dependant on cattle, such as the Chinese and Thai, remain lactose intolerant.</p> <p>65. Which among the following is the most logical assumption that can be made from the above passage?</p> <p>(a) About 10,000 years ago, the domestication of animals took place in some parts of the world</p> <p>(b) A permanent change in the food habits of a community can bring about a genetic change in its members</p> <p>(c) Lactose tolerant people only are capable of getting simple sugars in their bodies</p> <p>(d) People who are not lactose tolerant cannot digest any dairy product</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 65 B</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>सभी मनुष्य शैशवावस्था में माँ के दूध को पचाते हैं, परन्तु 10,000 वर्ष पहले मवेशियों की पालन प्रणाली के आरम्भ होने तक, शिशुओं को एक बार दूध छुड़ाने पर उनको दूध पचाने की आवश्यकता नहीं होती थी। इसके परिणामस्वरूप उनमें लैक्टोज एंजाइम का बनना बंद हो गया, जो लैक्टोज शर्करा को सरल शर्कराओं में तोड़ता है। मानव के मवेशी चराने की प्रणाली आरम्भ होने के बाद दूध को पचाना अत्यधिक लाभदायक हो गया और यूरोप, मध्यपूर्व (मिडिल ईस्ट) और अफ्रीका में मवेशी चराने वालों में स्वतन्त्र रूप से लैक्टोज सहन-शक्ति का विकास हुआ। चीनी और थाई लोग जो मवेशियों पर निर्भर नहीं थे, वे लैक्टोज असहनशील बने हुए हैं।</p> <p>65. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सी सर्वाधिक तार्किक पूर्वधारणा प्राप्त की जा सकती है?</p> <p>a) लगभग 10,000 वर्ष पहले विश्व के कुछ भागों में पशुपालन शुरू हुआ</p> <p>b) एक समुदाय में खाने की आदतों में स्थायी परिवर्तन, समुदाय के सदस्यों में आनुवंशिक परिवर्तन ला सकता है</p> <p>c) केवल लैक्टोज सहनशील लोगों में ही अपने शरीरों में सरल शर्कराओं को पाने की क्षमता होती है</p> <p>d) जो लोग लैक्टोज सहनशील नहीं होते, वे किसी भी डेरी उत्पाद को नहीं पचा सकते</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>"The conceptual difficulties in National Income comparisons between underdeveloped and industrialised countries are particularly serious because a part of the national output in various underdeveloped countries is produced without passing through the commercial channels."</p> <p>66. In the above statement, the author implies that:</p> <p>(a) the entire national output produced and consumed in industrialized countries passes through commercial channels</p> <p>(b) the existence of a non-commercialized sector in different underdeveloped countries renders the national income comparisons over countries difficult</p> <p>(c) no part of national output should be produced and consumed without passing through commercial channels</p> <p>(d) a part of the national output being produced and consumed without passing through commercial channels is a sign of underdevelopment</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 66 B</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>"अल्पविकसित और औद्योगिक देशों की राष्ट्रीय आयों के बीच तुलना करते समय आने वाली संकल्पनात्मक कठिनाइयाँ विशेष रूप से गंभीर होती हैं क्योंकि विभिन्न अल्पविकसित देशों में राष्ट्रीय उत्पाद के एक भाग का उत्पादन वाणिज्यिक माध्यमों से गुजरे बिना होता है।"</p> <p>66. इस कथन से लेखक का तात्पर्य है कि</p> <p>a) औद्योगिक देशों में उत्पादित और उपभुक्त समस्त राष्ट्रीय उत्पाद वाणिज्यिक माध्यमों में से गुजरता है</p> <p>b) विभिन्न अल्पविकसित देशों में अवाणिज्यिक क्षेत्रक का अस्तित्व देशों की राष्ट्रीय आयों की परस्पर तुलना को कठिन बना देता है</p> <p>c) राष्ट्रीय उत्पाद के किसी भाग का उत्पादन और उपभोग वाणिज्यिक माध्यमों से गुजरे बिना नहीं होना चाहिए</p> <p>d) राष्ट्रीय उत्पाद के एक भाग का उत्पादन और उपभोग वाणिज्यिक माध्यमों से गुजरे बिना होना अल्पविकास का चिह्न है</p>				
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>					
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>Class-14</p>	<p>Page-111</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>An increase in human-made carbon dioxide in the atmosphere could initiate a chain reaction between plants and microorganisms that would unsettle one of the largest carbon reservoirs on the planet-soil. In a study, it was found that the soil, which contains twice the amount of carbon present in all plants and Earth's atmosphere combined, could become increasingly volatile as people add more carbon dioxide to the atmosphere. This is largely because of increased plant growth. Although a greenhouse gas and a pollutant, carbon dioxide also supports plant growth. As trees and other vegetation flourish in a carbon dioxide-rich future, their roots could stimulate microbial activity in soil that may in turn accelerate the decomposition of soil carbon and its release into the atmosphere as carbon dioxide.</p> <p>67. Which among the following is the most logical corollary to the above passage?</p> <p>(a) Carbon dioxide is essential for the survival of microorganisms and plants</p> <p>(b) Humans are solely responsible for the release of carbon dioxide into the atmosphere</p> <p>(c) Microorganisms and soil carbon are mainly responsible for the increased plant growth</p> <p>(d) Increasing green cover could trigger the release of carbon trapped in soil</p> <p style="text-align: right;"><i>Official answer: 67 D</i></p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>वायुमंडल में मानव निर्मित कार्बन डाईऑक्साइड के बढ़ने से पादपों और सूक्ष्मजीवों के बीच एक शृंखला अभिक्रिया प्रारंभ हो सकती है जो कि इस ग्रह पर कार्बन के सबसे बड़े भंडार- मृदा को अव्यवस्थित कर सकती है। एक अध्ययन में यह पाया गया कि वह मृदा जिसमें कार्बन की मात्रा, सभी पादपों और पृथ्वी के वायुमंडल में उपस्थित कुल कार्बन की दगुनी है, लोगों के द्वारा वायुमंडल में और अधिक कार्बन छोड़ते जाने पर वर्धमान रूप से अस्थिर होती जाएगी। ऐसा अधिकांशतः पादपवृद्धि में बढ़ोत्तरी के कारण होता है। यद्यपि कार्बन डाईऑक्साइड एक ग्रीनहाउस गैस और एक प्रदूषक है, यह पादपवृद्धि को प्रोत्साहित भी करती है। चूंकि वृक्ष और दूसरी वनस्पतियाँ भविष्य में होने वाली कार्बन डाईऑक्साइड की प्रचुरता में फलती-फलती हैं, उनकी जड़ें मृदा में सूक्ष्मजीवों की क्रियाशीलता को प्रेरित कर सकती हैं जो परिणामस्वरूप मृदा-कार्बन के अपघटन को और तेज कर वायुमण्डल में कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में वृद्धि कर सकती है।</p> <p>67. निम्नलिखित में से कौन सा, उपर्युक्त परिच्छेद का सबसे अधिक तर्कसंगत उपनिगमन (कोरोलरी) है?</p> <p>a) सूक्ष्मजीवों और पादपों के अस्तित्व के लिए कार्बन डाईऑक्साइड परमावश्यक है</p> <p>b) वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड विमुक्त करने के लिए मनुष्य पूरी तरह उत्तरदायी है</p> <p>c) पादपवृद्धि की बढ़ोत्तरी के लिए मुख्य रूप से सूक्ष्मजीव और मृदा कार्बन उत्तरदायी है</p> <p>d) वर्धमान हरित आवरण मृदा में युक्त कार्बन की मोचन को प्रेरित कर सकता है</p>					
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Historically, the biggest challenge to world agriculture has been to achieve a balance between demand for and supply of food. At the level of individual countries, the demand-supply balance can be a critical policy issue for a closed economy, especially if it is a populous economy and its domestic agriculture is not growing sufficiently enough to ensure food supplies, on an enduring basis; it is not so much and not always, of a constraint for an open, and growing economy, which has adequate exchange surpluses to buy food abroad. For the world as a whole, Supply-demand balance is always an inescapable prerequisite for warding off hunger and starvation. However, global availability of adequate supply does not necessarily mean that food would automatically move from countries of surplus to countries of deficit if the latter lack in purchasing power. The uneven distribution of hunger, starvation, under or malnourishment, etc., at the world-level, thus owes itself to the presence of empty-pocket hungry mouths, overwhelmingly confined to the underdeveloped economies. Inasmuch as 'a two-square meal' is of elemental significance to basic human existence, the issue of worldwide supply of food has been gaining significance, in recent times, both because the quantum and the composition of demand has been undergoing big changes, and because, in recent years, the capabilities of individual countries to generate uninterrupted chain of food supplies have come under strain. Food production, marketing and prices, especially price-affordability by the poor in the developing world, have become global issues that need global thinking and global solutions.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>ऐतिहासिक रूप से, विश्व-कृषि के सामने, खाद्य की मांग और पूर्ति के बीच संतुलन प्राप्त करना सबसे बड़ी चुनौती रही है। वैयक्तिक देशों के स्तर पर, माँग-पूर्ति संतुलन बंद अर्थव्यवस्था के लिए एक निर्णायक नीतिगत मुद्दा हो सकता है, विशेषकर, यदि वह एक जनसंख्याबहुल अर्थव्यवस्था है और उसकी घरेलू कृषि, स्थायी आधार पर पर्याप्त खाद्य पूर्ति नहीं कर पा रही है। यह उस मुक्त और बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के लिए, जिसके पास विदेशों से खाद्य क्रय करने हेतु पर्याप्त विनिमय अधिशेष है, उतनी बड़ी, और न ही सदैव होने वाली, बाध्यता है। विश्व के लिए समग्र रूप से, माँग-पूर्ति संतुलन, भूख तथा भुखमरी से बचाव हेतु, सदैव ही एक अपरिहार्य पूर्व-शर्त है। तथापि, पर्याप्त पूर्ति की विश्वव्यापी उपलब्धता का आवश्यक रूप से यह मतलब नहीं है कि खाद्य स्वतः अधिशेष वाले देशों से उन अभावग्रस्त देशों की ओर, जिनके पास क्रय- शक्ति का अभाव है, चला जाएगा।</p> <p>अतः विश्व स्तर पर भूख, भुखमरी, न्यून पोषण या कुपोषण आदि का असमान वितरण, खाली जेबों वाले भूखे लोगों की मौजूदगी की वजह से है, जो वृहद रूप में अविकसित अर्थव्यवस्थाओं तक सीमित हैं। जहाँ तक आधारभूत मानवीय अस्तित्व के लिए “दो वक्त का भरपेट भोजन” का प्राथमिक महत्व है, उसमें खाद्य की विश्वव्यापी पूर्ति के मुद्दे को, हाल के वर्षों में, महत्व मिलता रहा है, क्योंकि माँग की मात्रा और संरचना दोनों में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं, और क्योंकि हाल के वर्षों में अलग-अलग देशों की खाद्य-पूर्तियों की अबाधित शृंखला निर्मित करने की क्षमताओं में कमी आई है। खाद्य-उत्पादन, विपणन और कीमतें, विशेषकर विकासशील विश्व में गरीबों द्वारा कीमत वहन करने की क्षमता, विश्वव्यापी मुद्दे बन गए हैं, जिनका विश्वव्यापी चिंतन और विश्वव्यापी समाधान आवश्यक है।</p>					
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>						
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं</p>	<p>Class-14</p>	<p>Page-112</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

<p>68. According to the above passage, which of the following are the fundamental solutions for the world food security problem?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Setting up more agro-based industries 2. Improving the price affordability by the poor 3. Regulating the conditions of marketing 4. Providing food subsidy to one and all <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1,2 (b) 2,3 (c) 1, 3, 4 (d) 1, 2, 4</p>	<p>68. उपर्युक्त परिच्छेद के अनुसार, विश्व खाद्य सुरक्षा के लिए निम्नलिखित में कौन-से मूलभूत हल हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. अपेक्षाकृत अधिक कृषि-आधारित उद्योग स्थापित करना। 2. गरीबों द्वारा कीमत वहन करने की क्षमता को सुधारना। 3. विपणन की दशाओं का नियमन करना। 4. हर एक को खाद्य सहायिकी प्रदान करना। <p>नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए (a) 1,2 (b) 2,3 (c) 1, 3, 4 (d) 1, 2, 4</p>
<p>69. According to the above passage, the biggest challenge to world agriculture is:</p> <ol style="list-style-type: none"> (a) to find sufficient land for agriculture and to expand food processing industries (b) to eradicate hunger in underdeveloped countries (c) to achieve a balance between the production of food and non-food items (d) to achieve a balance between demand for and supply of food 	<p>69. उपर्युक्त परिच्छेद के अनुसार, विश्व कृषि के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती क्या है?</p> <ol style="list-style-type: none"> (a) कृषि हेतु पर्याप्त भूमि प्राप्त करना और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों का विस्तार करना। (b) अल्पविकसित देशों में भुखमरी का उन्मूलन करना। (c) खाद्य एवं गैर-खाद्य (नान-फूड) वस्तुओं के उत्पादन के बीच संतुलन प्राप्त करना। (d) खाद्य की माँग और आपूर्ति के बीच संतुलन प्राप्त करना।
<p>70. According to the above passage, which of the following helps/help in reducing hunger and starvation in the developing economies?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Balancing demand and supply of food 2. Increasing imports of food 3. Increasing purchasing power of the poor 4. Changing the food consumption patterns and practices <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1 (b) 2, 3, 4 (c) 1, 3 (d) 1, 2, 3, 4</p>	<p>70. उपर्युक्त परिच्छेद के अनुसार, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में भूख और भुखमरी घटाने में, निम्नलिखित में से किससे/किनसे सहायता मिलती है?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. खाद्य की माँग और आपूर्ति के बीच संतुलन करना। 2. खाद्य आयात में वृद्धि करना। 3. निर्धनों की क्रयशक्ति में वृद्धि करना। 4. खाद्य उपभोग प्रतिमानों और प्रयासों में बदलाव लाना। <p>नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए (a) 1 (b) 2, 3, 4 (c) 1, 3 (d) 1, 2, 3, 4</p>
<p>71. The issue of worldwide supply of food has gained importance mainly because of:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. overgrowth of the population worldwide 2. sharp decline in the area of food production 3. limitation in the capabilities for sustained supply of food <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1, 2 (b) 3 (c) 2, 3 (d) 1, 2, 3</p> <p style="text-align: center;"><i>Official answers: 68 B 69 D 70 C 71 B</i></p>	<p>71. विश्वव्यापी खाद्य-पूर्ति के मुद्दे को मुख्यतः किसके/किनके कारण महत्व प्राप्त हुआ है?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. विश्वव्यापी रूप से जनसंख्या की अतिवृद्धि 2. खाद्य-उत्पादन के क्षेत्र में तीव्र गिरावट 3. सतत खाद्यपूर्ति हेतु क्षमताओं में परिसीमन <p>नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए (a) 1, 2 (b) 3 (c) 2, 3 (d) 1, 2, 3</p>